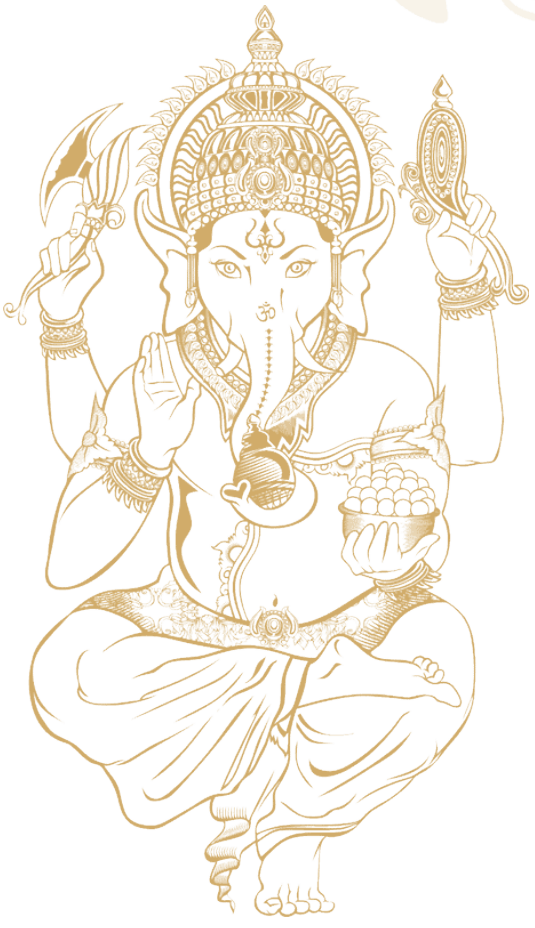

Devanshu

N.Nangia

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119721801

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119721801 Date: 10/10/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
08/01/1996	जन्म तिथि	10/12/1996
सोमवार	दिन	मंगलवार
घंटे 07:40:00	जन्म समय	14:16:00 घंटे
घटी 00:23:22	जन्म समय(घटी)	17:22:55 घटी
India	देश	India
Firozpur	स्थान	Delhi
30:55:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
74:38:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:31:28	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:30:39	सूर्योदय	07:03:22
17:45:18	सूर्यास्त	17:24:44
23:48:13	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:52

धनु	लग्न	मेष
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
कर्क	राशि	वृश्चिक
चन्द्र	राशि-स्वामी	मंगल
आश्लेषा	नक्षत्र	ज्येष्ठा
बुध	नक्षत्र स्वामी	बुध
1	चरण	2
विष्कुम्भ	योग	धृति
वणिज	करण	नाग
डी-डीगेश्वर	जन्म नामाक्षर	या-यामिनी
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु
विप्र	वर्ण	विप्र
जलचर	वश्य	कीटक
मार्जार	योनि	मृग
राक्षस	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
श्वान	वर्ग	मृग

Meenna Salaria Astro &Numerio
Delhi
9667113751
salaria.meena@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 15वर्ष 11मा 19दि		24:36:04	धनु	लग्न	मेष	01:32:11	बुध 12वर्ष 5मा 21दि	
शुक्र		23:15:42	धनु	सूर्य	वृश्चि	24:45:54	शुक्र	
28/12/2018		17:28:28	कर्क	चंद्र	वृश्चि	20:12:58	01/06/2016	
28/12/2038		05:54:27	मक	मंगल	सिंह	26:56:59	01/06/2036	
शुक्र	28/04/2022	11:03:39	मक	बुध	धनु	14:12:28	शुक्र	02/10/2019
सूर्य	28/04/2023	07:16:23	धनु	गुरु	धनु	26:29:51	सूर्य	01/10/2020
चन्द्र	27/12/2024	27:31:21	मक	शुक्र	तुला	27:37:49	चन्द्र	02/06/2022
मंगल	26/02/2026	26:06:19	कुंभ	शनि	मीन	06:50:14	मंगल	02/08/2023
राहु	26/02/2029	28:18:20	कन्या व	राहु व	कन्या	11:16:10	राहु	01/08/2026
गुरु	28/10/2031	28:18:20	मीन व	केतु व	मीन	11:16:10	गुरु	01/04/2029
शनि	28/12/2034	05:57:07	मक	हर्ष	मक	08:20:50	शनि	01/06/2032
बुध	27/10/2037	01:08:23	मक	नेप	मक	02:16:03	बुध	02/04/2035
केतु	28/12/2038	08:22:21	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	09:47:02	केतु	01/06/2036

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:48:13 चित्रपक्षीय अयनांश 23:48:52

लग्न-चलित

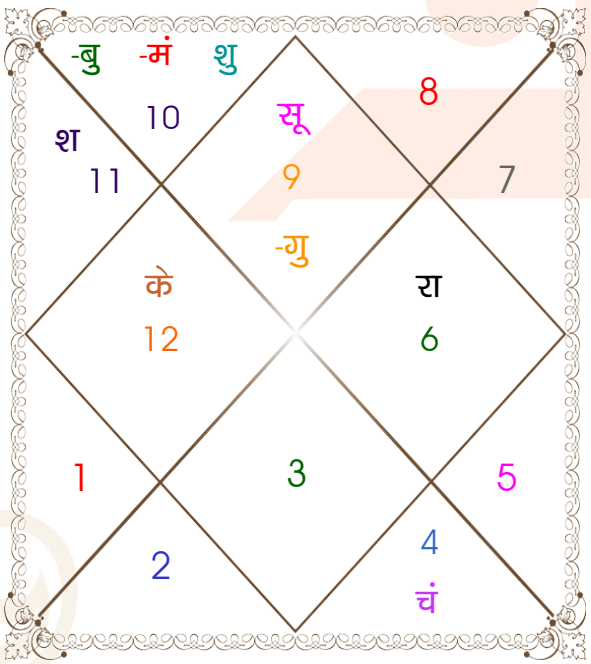

लग्न-चलित

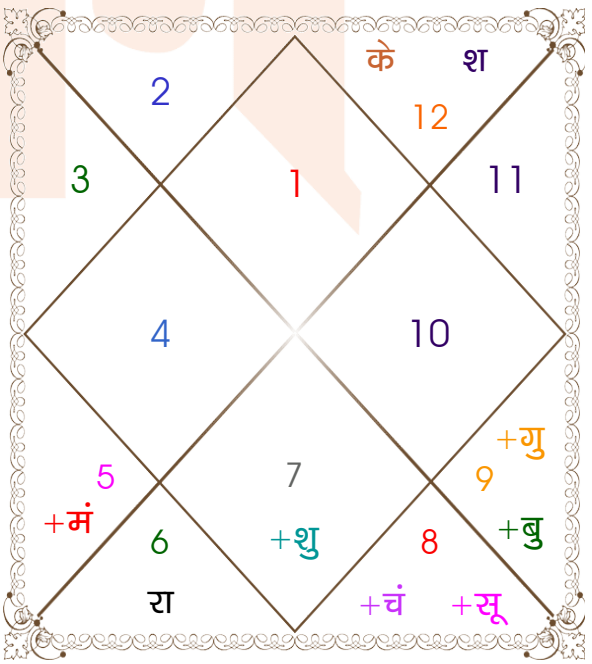

Meenna Salaria Astro &Numerio
Delhi
9667113751
salaria.meena@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मार्जार	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	मंगल	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

कुल : **25 / 36**

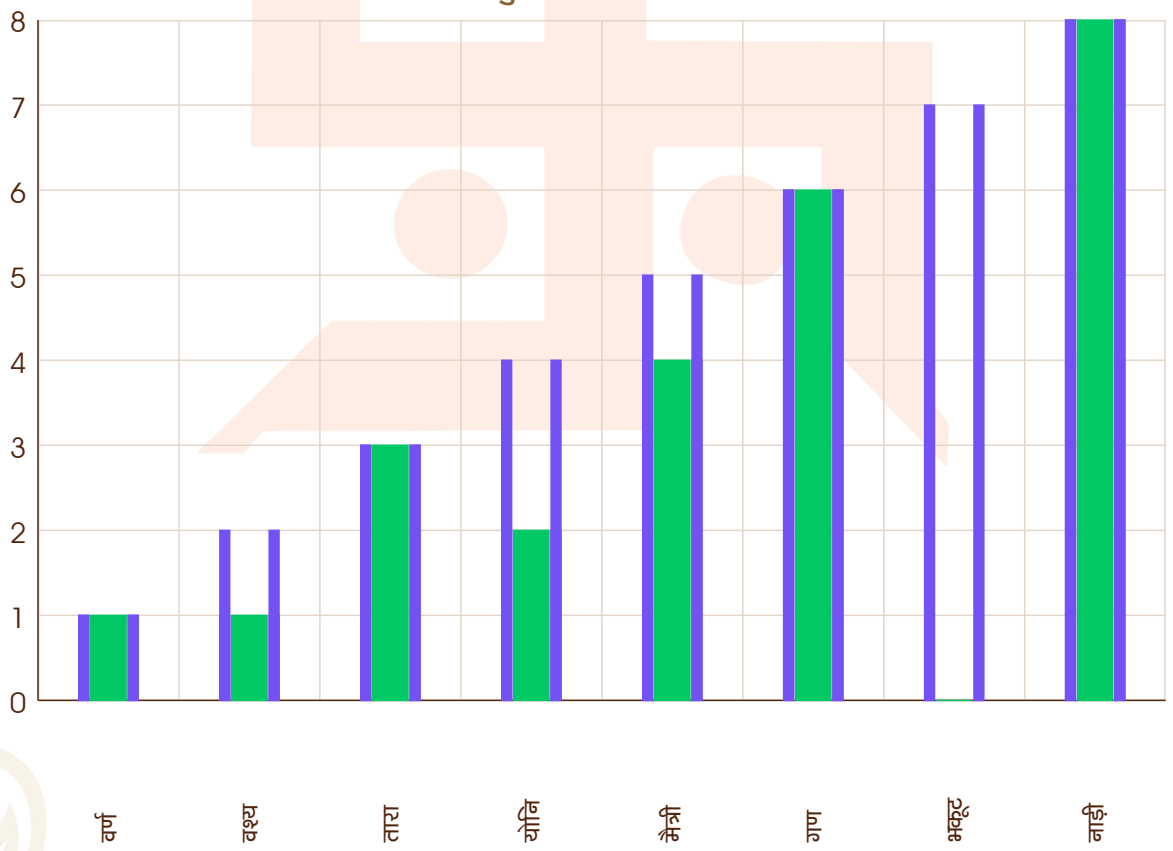

Meenna Salaria Astro &Numerio
Delhi
9667113751
salaria.meena@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Devanshu का वर्ग श्वान है तथा N.Nangia का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Devanshu और N.Nangia का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Devanshu मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

N.Nangia मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Devanshu तथा N.Nangia में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Devanshu का वर्ण ब्राह्मण तथा N.Nangia का वर्ण भी ब्राह्मण है अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके कारण दोनों के गुण, स्वभाव, आदतें, पसन्द एवं नापसंद सभी एक-समान होंगी। दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल अनुरूप एवं अनुकूल साबित होंगे तथा दोनों हमेशा सामाजिक, व्यावसायिक एवं पारिवारिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन में एक-दूसरे की सहायता करेंगे।

वश्य

Devanshu का वश्य जलचर है एवं N.Nangia का वश्य कीट है। जिसके कारण यह मिलान औसत मिलान है। जलचर एवं कीट वश्य न तो एक-दूसरे के मित्र होते हैं और न ही शत्रु होते हैं। अर्थात दोनों एक-दूसरे के प्रति सम होते हैं। जलचर Devanshu एवं कीट N.Nangia के बीच वैवाहिक संबंध होने पर दोनों के बीच उदासीनता के साथ-साथ प्रेम का अभाव भी बना रहेगा जिससे जीवन बिल्कुल नीरस हो सकता है। अधिकतर समय दोनों एक-दूसरे के बीच समझौता करके अपना जीवन यापन करते रहेंगे किंतु समय-समय पर जैसे डंक मारना कीट का नैसर्गिक स्वभाव होता है। उसी प्रकार Devanshu को हमेशा सावधान रहना पड़ेगा अन्यथा उसे इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है।

तारा

Devanshu की तारा जन्म तथा N.Nangia की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्त्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

Devanshu की योनि मार्जार है तथा N.Nangia की योनि मृग है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या

कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Devanshu का राशि स्वामी N.Nangia के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि N.Nangia का राशिस्वामी Devanshu के राशिस्वामी के साथ मित्रता का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए सम हों किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को अपना मित्र मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पत्ति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

Devanshu का गण राक्षस है तथा N.Nangia का गण भी राक्षस है। अर्थात N.Nangia का गण Devanshu के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण Devanshu एवं N.Nangia दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

Devanshu से N.Nangia की राशि पंचम भाव में स्थित है तथा N.Nangia से Devanshu की राशि नवम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। दोनों के राशि स्वामियों में परस्पर मित्र होने के कारण नवम-पंचम दोष का परिहार होने के कारण विवाह को स्वीकृति प्रदान की जा सकती है किंतु भकूट मिलान में इसे 0 अंक/गुण प्रदान किया जायेगा। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े होते रह सकते हैं। जिसके कारण N.Nangia को संतानोत्पत्ति में भी

समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

नाड़ी

Devanshu की नाड़ी अन्त्य है तथा N.Nangia की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। Devanshu की अन्त्य नाड़ी तथा N.Nangia की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Devanshu की राशि जलतत्व युक्त कर्क तथा N.Nangia की राशि भी जलतत्व युक्त वृश्चिक है । दोनों जलतत्व होने के कारण इनमें स्वाभाविक समानता रहेगी तथा एक दूसरे को समझने तथा सहयोग प्रदान करने में तत्पर होंगे फलतः मिलान अच्छा रहेगा।

Devanshu की राशि का स्वामी चन्द्र तथा N.Nangia की राशि का स्वामी मंगल परस्पर मित्र एवं सम राशियों में स्थित है। इसके प्रभाव से यद्यपि N.Nangia यदा कदा उदासीनता के भाव का प्रदर्शन करेंगी परन्तु Devanshu सदैव सामंजस्य करने के लिए तत्पर रहेंगे। साथ ही एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे परस्पर संबधों में मधुरता में वृद्धि होगी तथा जीवन सुख एवं आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

Devanshu और N.Nangia की राशियां परस्पर पंचम-नवम भाव में पड़ती है। यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से Devanshu और N.Nangia के मध्य यदा कदा अंहकार का भाव उत्पन्न होगा जिससे संबधों में कटुता आएगी तथा परस्पर विवाद एवं विरोध भी रहेगा। ऐसी स्थिति में यदि Devanshu और N.Nangia बुद्धिमता एवं सामंजस्य का परिचय दें तो उपरोक्त प्रभावों में न्यूनता आ सकती है जिससे वैवाहिक जीवन आनंदमय हो सकता है।

Devanshu का वश्य जलचर एवं N.Nangia का वश्य कीट है। नैसर्गिक रूप से कीट एवं जलचर में समता तथा मित्रता होती है। अतः इनकी अभिरूचियां समान होगी एवं शारीरिक मानसिक तथा भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं भी समान रहेगी। साथ ही एक दूसरे की काम भावनाओं को शांत तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे जिससे आपसी संबधों में प्रगाढ़ता रहेगी।

Devanshu और N.Nangia दोनों का वर्ण ब्राह्मण है अतः इनकी कार्य क्षमताएं समान रहेगी तथा शैक्षणिक धार्मिक एवं शास्त्रीय विषयों की अध्ययन के प्रति रूचि रहेगी। फलतः कार्य क्षेत्र में स्वपरिश्रम एवं बुद्धि से उन्नति मार्ग पर अग्रसर रहेंगे।

धन

Devanshu और N.Nangia का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रश्स्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से Devanshu और N.Nangia सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

Devanshu को पैतृक सम्पति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में

समर्थ होंगे । इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

Devanshu की नाड़ी अन्त्य तथा N.Nangia की नाड़ी आद्य है। अतः दोनों की नाड़ियां अलग अलग होने के कारण दोनों शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे तथा अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथा समय सम्पन्न करने में समर्थ होंगे। जिससे दाम्पत्य जीवन में समृद्धि तथा प्रसन्नता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का दुष्प्रभाव भी किसी के स्वास्थ्य पर नहीं रहेगा जिससे उत्तम दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा तथा सुख एवं आनंद पूर्वक Devanshu और N.Nangia अपना जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

संतान

यथोचित समय में संतति प्राप्ति के लिए Devanshu और N.Nangia का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म के मध्य भी उचित अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित रूप से करने में समर्थ होंगे। इसके अतिरिक्त Devanshu और N.Nangia के कन्या तथा पुत्र संततियों की संख्या समान रहेगी।

N.Nangia का प्रसव सामान्य रूप से नहीं होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। यह समस्या गर्भपात के रूप में भी हो सकती है। अतः उन्हें गर्भावस्था के मध्य अपना डाक्टरी परीक्षण नियमित रूप से करवाते रहना चाहिए। इस प्रकार वह सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देंगी तथा स्वयं भी स्वस्थ एवं शांति की अनुभूति करेंगी।

Devanshu और N.Nangia को बच्चों की ओर से पूर्ण सन्तुष्टि प्राप्त होगी तथा बच्चे भी अपने क्षेत्र में स्व बुद्धिमता योग्यता एवं व्यवहार कुशलता से प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। माता पिता के वे आज्ञाकारी होगे तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। साथ ही माता पिता के प्रति उनके मन में समान लगाव रहेगा। इस प्रकार Devanshu और N.Nangia अपने योग्य एवं बुद्धिमान बच्चों पर गर्व करेंगे तथा सुख शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक अपना पारिवारिक जीवन व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

N.Nangia तथा उसकी सास के परस्पर संबध अच्छे नहीं रहेंगे। आयु में अधिक अन्तर होने के कारण इनके गहन मतभेद रहेंगे। लेकिन अन्य कोई भी समस्या इतनी गंभीर नहीं होगी जिनका कोई समाधान न हो। अतः यदि N.Nangia धैर्य एवं बुद्धिमता पूर्वक सामंजस्यशील प्रवृति का अनुसरण करें तो सास से संबधों में अनुकूलता आ सकती है। अतः अपनी ओर से उन्हें उनकी पूर्ण रूप से सेवा तथा सुख सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए।

ससुर के साथ N.Nangia के संबध मधुर रहेंगे तथा अपने विनम्र व्यवहार सम्मान

की भावना तथा सेवा की प्रवृति से उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में प्रसन्न रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबधों में प्रतिकूलता रहेगी तथा आपस में ईर्ष्या, प्रतिद्वन्दिता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार N.Nangia का ससुराल में समय सामान्य रूप से ही व्यतीत होगा तथा अन्य जनों को अपनी ओर से सन्तुष्ट रखने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुराल-श्री

Devanshu के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Devanshu अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Devanshu के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Devanshu के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।